RPSC

ASSISTANT PROFESSOR IN HISTORY

PAPER - I

UNIT - A

प्राचीन भारतः

1. प्राचीन भारत का पुनर्निर्माणः साहित्यिक एवं पुरातात्विक स्रोत।

2. भारत का पूर्व (Pre) एवं आद्य(Proto) इतिहास
(क) पुरापाषाण काल से नवपाषाण काल- ताम्रपाषाण काल संक्रमण – प्रमुख स्थल, उपकरण एवं संस्कृति।
(ख) सरस्वती-सिंधु नदी - घाटी सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता) – उत्पत्ति एवं विस्तार, प्रमुख स्थल एवं बसावट स्वरूप,
व्यापार एवं शिल्प, धार्मिक प्रथाएं, उत्तर हड़प्पा चरण का पतन एवं महत्व।

3. वैदिक युग- वैदिक वांग्मय, ऋग्वेदिक काल से उत्तर वैदिक काल तक परिवर्तन; राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक जीवन; धर्म, अनुष्ठान और दर्शन। वैदिक युग का महत्व।

4. राज्य निर्माण एवं महाजनपदों का उदयः गणराज्य एवं राजतंत्र; नगरीय केंद्रों का उदय; आर्थिक विकास- शिल्प, संघ(guild), मुद्रा एवं व्यापार; जैन धर्म, बौद्ध धर्म और आजीवक संप्रदायों का उदय; मगध का उदय। सिकंदर का आक्रमण और भारत पर उसका प्रभाव।

5. मौर्य साम्राज्य- मौर्य साम्राज्य की स्थापना, चंद्रगुप्त, बिंदुसार और अशोक की राजनीतिक उपलब्धियां; अशोक और उनका धम्म, अशोक के शिलालेख (Edicts); राजनीति, प्रशासन और अर्थव्यवस्था; कला और वास्तुकला।

6. मौर्योत्तर कालः शुंग और कन्व; बाहरी दुनिया से संपर्क-इंडो-ग्रीक, शक, कुषाण, पश्चिमी क्षत्रप; शहरी केंद्रों का विकास, व्यापार और अर्थव्यवस्था, धार्मिक संप्रदायों का विकासः वैष्णव, शैव, महायान; कला, वास्तुकला और साहित्य।
7. दक्कन और दक्षिण भारत में प्रारंभिक राज्य और समाजः महापाषाण काल, सातवाहन, संगम युग के तमिल राज्य; प्रशासन, अर्थव्यवस्था, संगम साहित्य और संस्कृति; कला और वास्तुकला।

8. गुप्त साम्राज्य- राजनीतिक इतिहास, राजनीति, समाज, अर्थव्यवस्था, व्यापार और वाणिज्य, साहित्य और कला।

9. गुप्तोत्तर काल की अर्थव्यवस्था- व्यापार और वाणिज्य, बैंकिंग और मुद्रा।

10. हर्षवर्धन- विजय, राजनीति, धर्म, कला और साहित्य।

11. क्षेत्रीय राज्यों का उदय - चालुक्य, पल्लव, चोल, राष्ट्रकूट, प्रतिहार और पाल।

12. भारत का बाहरी विश्व से संपर्क - पश्चिम एशिया, मध्य एशिया और पूर्वी एशिया।

13. पूर्व-मध्यकालीन भारत (700 ई. से 1200 ई.) - समाज और अर्थव्यवस्था, सामंतवाद(Feudalism) और सामाजिक-राजनीतिक जीवन पर इसका प्रभाव, क्षेत्रीय सांस्कृतिक पहचान और क्षेत्रीय राजनीतिक शक्तियों का विकास। इस काल में दर्शन और धर्म का विकास।

14. प्राचीन भारत में विविध कला, साहित्य और संस्कृति का विकास - वास्तुकला, मूर्तिकला, संगीत, शास्त्रीय भाषाओं का साहित्य, शिक्षा, दर्शन, विज्ञान और तकनीक का विकास।

UNIT - B

मध्यकालीन भारतीय इतिहास:

1. मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्रोत: पुरातात्विक और साहित्यिक।

2. दिल्ली सल्तनत की स्थापना और समेकन 1206 से 1290 ई।

3. खिलजी और तुगलक काल के दौरान सल्तनत का क्षेत्रीय विस्तार।

4. प्रांतीय राजवंशों : विजयनगर, बहमनी और जौनपुर का उदय- राजनीति और सांस्कृतिक योगदान।

5. सैय्यद और लोदी; सल्तनत का विघटन. सल्तनत की राजनीति।

6. सल्तनत काल के दौरान समाज, संस्कृति और अर्थव्यवस्था (13वीं शताब्दी से 15वीं शताब्दी के अंत तक)-
(क) ग्रामीण समाज की संरचना, शासक वर्ग, शहरवासी, महिलाएं, धार्मिक वर्ग, जाति और सल्तनत के तहत गुलामी, भक्ति आंदोलन, सूफी आंदोलन।

(ख) फारसी साहित्य, उत्तर भारत की क्षेत्रीय भाषाओं में साहित्य, सल्तनत वास्तुकला और प्रांतीय स्वरूप, संगीत और चित्रकला का विकास, एक समग्र संस्कृति का विकास, मध्यकालीन भारत में सांस्कृतिक संश्लेषण।

(ग) अर्थव्यवस्था: कृषि उत्पादन, शहरी अर्थव्यवस्था और गैर-कृषि उत्पादन का उदय, व्यापार और वाणिज्य। सल्तनत काल के दौरान प्रौद्योगिकी और शिल्प।

7. मुगल साम्राज्य, पहला चरण: बाबर, हुमायूँ, सूर साम्राज्य: शेरशाह का प्रशासन।

8. पुर्तगाली औपनिवेशिक उद्यम।

9. क्षेत्रीय विस्तार अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ और भारतीय शक्तियों का प्रतिरोध।

10. 18वीं शताब्दी में औरंगजेब और मुगल साम्राज्य का पतन और उभरती क्षेत्रीय शक्तियाँ।

11. सहयोग और संघर्ष की अवधि 1556-1707।

12. मुगलों की नीतियाँ- दक्कन, धार्मिक, राजपूत और उत्तर-पश्चिम सीमांत नीतियाँ।

13. प्रशासनिक व्यवस्था- केंद्रीय, प्रांतीय और राजस्व प्रशासन, मनसबदारी और जागीरदारी व्यवस्था।

14. कला और संस्कृतियाँ- वास्तुकला (Architecture), चित्रकला, संगीत और साहित्य.

15. आर्थिक जीवन- कृषि, उद्योग, व्यापार और वाणिज्य, बैंकिंग और मुद्रा प्रणाली।

16. मराठों का उदय- शिवाजी- विजय, नागरिक और सैन्य प्रशासन, चौथ और सरदेशमुखी की प्रकृति, हिंदू पदपटशाही की अवधारणा।

17. पेशवाओं के अधीन मराठा शक्ति का विस्तार-मराठा संघ, पेशवाओं के अधीन नागरिक और सैन्य प्रशासन, पानीपत का तीसरा युद्ध-1761।

18. उत्तर मध्यकालीन भारत में समाज और संस्कृति-
(a) समाज की संरचना, भक्ति आंदोलन और सूफी आंदोलन।

(b) फारसी, संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाओं की साहित्यिक परंपरा। मुगल और सूर वास्तुकला, वास्तुकला के क्षेत्रीय रूप। मुगल काल के दौरान संगीत और चित्रकारी

(c) अर्थव्यवस्था: कृषि उत्पादन, शहरी अर्थव्यवस्था और गैर-कृषि उत्पादन का उदय, व्यापार और वाणिज्य, तकनीक और शिल्प, शिक्षा, विज्ञान और तकनीक .(इस अवधि के दौरान).

UNIT - C

इतिहास दर्शन

1. इतिहास का विश्लेषणात्मक और अनुमानात्मक दर्शन।

2. इतिहास का विश्लेषणात्मक दर्शन: ऐतिहासिक साक्ष्य, अनुमान और तथ्य की प्रकृति; इतिहास के प्रमाण और स्रोत: साहित्यिक- प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक और पुरातात्विक स्रोत। ऐतिहासिक व्याख्या।

3. सामान्य-कानून मॉडल; ऐतिहासिक वस्तुनिष्ठता; कार्य-कारण।

4. आदर्शवादी परंपरा: डिल्थे-क्रोचे-कॉलिंगवुड

5. उत्तर आधुनिक 'End of History' - उत्तर आधुनिक चुनौती।

6. इतिहास का अनुमानात्मक दर्शन।

7. इतिहास के विभिन्न अनुमानात्मक दार्शनिकों का संक्षिप्त सर्वेक्षण - विको, हर्डर, हेगेल, मार्क्स, स्पेंगलर, टॉयनबी और फुकुयामा।

8.भारतीय इतिहासकार - बरनी, अबुल फजल, आर.सी मजूमदार, जे.एन. सरकार, डी.डी.कोसंबी और के.एम. अशरफ।

इतिहासलेखन

1. इतिहासलेखन की विभिन्न परंपराओं का संक्षिप्त सर्वेक्षण:
भारतीय (प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक); चीनी (कन्फ्यूशियस), ग्रीको-रोमन (हेरेडोटस), जूदेव-ईसाई, इस्लामी इतिहासकार (इब्न खार्दुम), रांके और वैज्ञानिक इतिहास, मार्क्सवादी, औपनिवेशिक, राष्ट्रवादी, कैम्ब्रिज, सबाल्टर्न और उत्तर आधुनिक।

Marks 75 , **Ques** 150.